RPH

गाँधी चिंतन की समग्र विवेचना

(Collective Interpretation of Gandhian Thought)

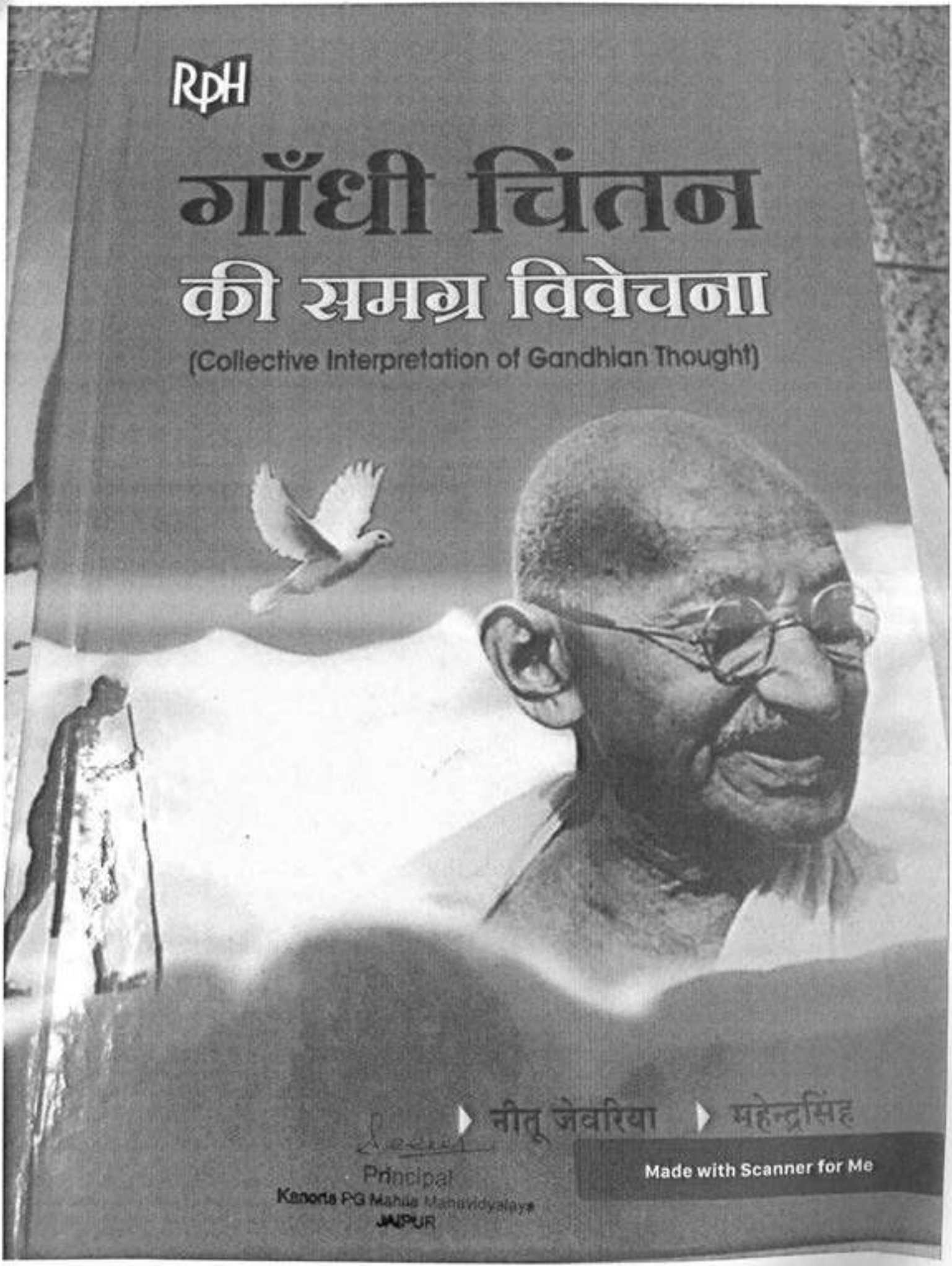

नीतू जेवरिया
महेन्द्रसिंह

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

Made with Scanner for Me

प्रकाशक :
किरण चन्नानी
राज पब्लिशिंग हाउस
41, सरस्वती मन्दिर, गोविन्द मार्ग, जयपुर - 302004
फोन : 0141-2622141 (आ.), 2614363(नि.)
Cell 09414051782
E-mail shreerajpublishing@gmail.com

गांधी चिंतन की समग्र विवेचना
© मीनू जेवरिया, महेन्द्र सिंह
प्रथम संस्करण, 2017
ISBN : 978-81-937238-2-1

लेखक का सर्वाधिकार सुरक्षित है। पुस्तक के किसी भी भाग का प्रकाशक व लेखक की पूर्वानुमति के बिना नहीं छापा जा सकता है। पुस्तक के किसी भी भाग को इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक, मैग्नेटिक, सीडी, टेप, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकार्डिंग, ध्वनि अथवा अन्य किसी माध्यम पर प्रकाशक व लेखक की पूर्वानुमति व लिखित सहमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

मुद्रक :
ट्राइडेन्ट एन्टरप्राइजेज, दिल्ली

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

18 गाँधीजी का सत्याग्रह और वर्तमान प्रासंगिकता 143
डॉ. अग्निदेव

19 बुनियादी शिक्षा और गाँधी चिन्तन 148
डॉ. चित्रा मीना, चंचल मीना

20 गाँधीजी और स्वच्छ भारत अभियान 162
डॉ. पंकज कुमार मण्डावत, डॉ. गोपीचन्द

21 गाँधीवादी दर्शन की 21 वीं शताब्दी में प्रासंगिकता 168
डॉ. शांति कुमारी मीना

22 Principles of Gandhian philosophy 176
Dr Gayatri Yadav

23 Gandhi's Contribution in Journalism 182
Dr. Anjana Verma

24 Mahatma Gandhi A Brief Study 192
Dr. Ashok Kumar Yadav

25 Gandhian Ethics of Fasting and Non-Violence 198
Dr. Anjana Yadav

26. The Gandhian Outlook 211
Dr. Manju sharma

27. Mahatma Gandhi: The Power of Nonviolence 218
Sociological perspective
Dr. Sweety Mathur

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

Made with Scanner for Me

डॉ. प्रियंका यादव ने गाँधी के सर्वोदय व सामाजिक दृष्टिकोण पर व उमेश कुमार ने सिनेमा पर गाँधी के प्रभाव की विवेचना की है।

गुरमुख सिंह ने राष्ट्र और धर्म पर गाँधी व गोलवलकर के विचार, डॉ. मंजू यादव ने ग्राम स्वराज्य पर तथा डॉ. अग्निदेव ने सत्याग्रह की वर्तमान प्रासंगिकता पर, डॉ. चित्रा मीना व चंचल मीना ने बुनियादी शिक्षा पद्धति, डॉ. पंकज मण्डावत व डॉ. गोपीचन्द ने स्वच्छ भारत अभियान पर विचार प्रस्तुत किये हैं।

डॉ. शांति कुमारी मीना ने 21वीं सदी में गाँधी की प्रासंगिकता पर, डॉ. गायत्री यादव ने गाँधी दर्शन के सिद्धान्त, डॉ. अंजना वर्मा ने पत्रकारिता में गाँधी योगदान पर, डॉ. अशोक कुमार यादव ने गाँधी का संक्षिप्त अध्ययन तथा अंजना यादव ने गाँधी के उपवास व अहिंसा का महत्त्व व डॉ. मंजु शर्मा ने गाँधीय दृष्टिकोण पर विस्तृत विचार प्रस्तुत कर गाँधी की सर्वव्यापक भूमिका को सिद्ध करने का प्रयास किया है तो डॉ. स्वीटी माथुर ने गाँधी के अहिंसा विचार का विश्लेषण किया है।

उपर्युक्त गाँधी विश्लेषण से हम कह सकते है कि वर्तमान की शायद ही ोई कोई समस्या हो जिसका समाधान गाँधी चिन्तन में ना हो, गाँधी सदैव ांगिक थे और रहेंगे।

प्रस्तुत आलेखों को क्रमबद्ध कर पुस्तक का मूर्त रूप देने में राज नशिंग हाऊस, सौरभ जी व राजावत जी को साधुवाद।

नीतू जेवरिया

Principal
PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

Made with Scanner for Me

27

Mahatma Gandhi
The Power of Nonviolence
Sociological Perspective

Dr. Sweety Mathur*

FATHER OF THE NATION

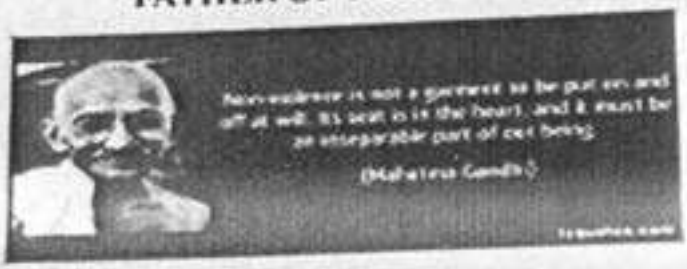

Mahatma Gandhi: the power of nonviolence

Mohandas Karamchand Gandhi was called Mahatma, which literally means "great soul". Mahatma Gandhi (October 2, 1869 to January 30, 1948) was the leader of India's non-violent independence movement against British rule and in South Africa who advocated for the civil rights of Indians. Born in Porbandar, India, Gandhi studied law and organized boycotts against British institutions in peaceful forms of civil disobedience. He was killed by a fanatic in 1948.

Religion and Beliefs

Gandhi grew up worshiping the Hindu god Vishnu and following Jainism, a morally rigorous ancient Indian religion that espoused non-violence, fasting, meditation and vegetarianism. During

* H.O.D., Sociology Dept., Kanoria P.G College, Jaipur

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

Made with Scanner for Me